

हिमालय नदी प्रणाली (Himalayan River System)

परिचय (Introduction)

तीन मुख्य नदी द्वारा (Three Major river system)

1) सिंधु

2) गंगा

3) ब्रह्मपुर्ण

→ भारत का सबसे बड़ा नदी

विस्तार (Expansion) :- अफगानिस्तान, पाकिस्तान, पंजाब, भारत, बांगलादेश, नेपाल, भूटान

→ हिमालय नदियों की उपरी हिमानि के द्वारा होता है जिस कारण अद्य बढ़ता है।

विवरण

→ अनन्तमात्री नदियाँ (Perennial Rivers)

→ प्रमुख नदियाँ (Major Rivers)

• सिंधु नदी - सिंधु, यमुना, गंगा

• गंगा नदी - गंगा, लोकनाथ, सतलभ

• ब्रह्मपुर्ण नदी - ब्रह्मपुर्ण, दीर्घा, चुम्बलिया

→ नदी गंगा एवं गंगा नदी, अधिक ज्ञानाधारी है का जिग्नात

पश्चिमी भाग (Mountains) :- एल्फ़, वृक्षाश्रय की
धारा, द्विप्रिया

मैदानी भाग :- दुर्घट, उल्लोग मैदान, गोदा
स्त्री, नदी द्वीप (माधुरी द्वीप)

Rig-वाही तरीका → दाएं (Right) :- इयं, नुवा, रे
गिलिल, द्वारा,

काशुल, तुरम, तीनी, रामलिङ्ग

बाएँ - अस्त्रकरु, जिलमां विनाश, रात्रि, दूरासु,
सतलाय

उत्तरां नदी : → दाएँ : - अमुना, सौन, पुन-पुण
दाएँ : - रामगांगा, गोगी, धोधरा, गिर्द, कोसी, महानदी

दक्षिणां : → दाएँ : - दुर्घट, काम्पा / मरली
मैदानसु, दूरासु, रायडु, नदी

बाएँ : - दिवांग, उल्लोग, दूषि तिक्ता, दियु, धनसारी, गोलंग, गोपी

River Indus System (Indus River System)

सामान्य परिचय (General Introduction)

- 1) विद्युत (विद्युत संचायण) नदी के किनारे नदी
- 2) ग्रन्थि नदी :- सिंधु, शैलो, शाही, बेंगला, याला, शतलापुर
- 3) मुहाना (mouth) :- कराची नदी और अरब सागर
- 4) अपेक्षित छोड़ (Drainage Basin) :- भारतीय उत्तरांश, पाकिस्तान, भारत, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमालय प्रदेश, पंजाब, ओरंगाबाद

सिंधु-नदी (Indus River)

- 1) उद्गम (origin) :- भित्ति में मालवारी शृंग घट्टानी (भित्ति में निकट सिथार बीजर-घट्टानी में विद्युत विभाग या बैरमुपुर)
- 2) मुहाना (Estuary) :- मीठानगर में फँचवाड़ के मिलन के बाद अरब सागर (जराबुदी का पाल)
- 3) हिमालय की जलस्रोत ~~प्रदूषित~~ प्रदूषित नदी
- 4) लम्बाई (Length) :- 2880 किमी (भारत - 1114 किमी)

5) बहाव (Flows) :- नदी, नदर (लेंडिङ) एवं परिवाह

6) भारत में अंतर्राष्ट्रीय (Entrance in India) :-
दमन्योदय (बांग्ला-जूड़ी)

7) भारत से बहाव (Exit from India) :-
चिमाली

8) भारत में आपारक्तिक नदी - लकड़ाग और कुम्भकोटी
मध्य प्राचीन

9) लकड़ाग और कुम्भकोटी में गिरिधर्म (पास)
कुम्भी, गोब, बनारस, अश्वरथी, शैतानी, हिमालय
(उत्तर भारतीय हिमालय)

10) भारत - पाकिस्तान के मध्य विद्युत केन्द्र
1960 में विद्युत - बुलासमझौता जरवाया
पर्याप्त विद्युत द्वारा विद्युत उत्पादन समझौता है

11) मीठनकोट में पंचनदि की सीधाम

सिंधु नदी खाड़ी

IRS → Himalaya

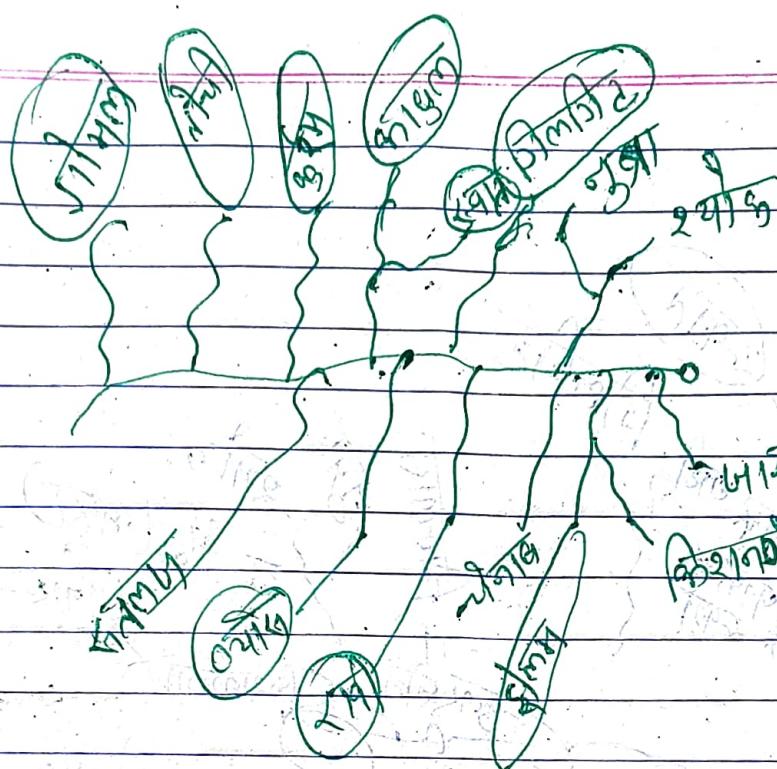
Hindu Kush

IRS का दोभी होगा → पीर + नदर + पाकिस्तान +
जम्बालिया नदी

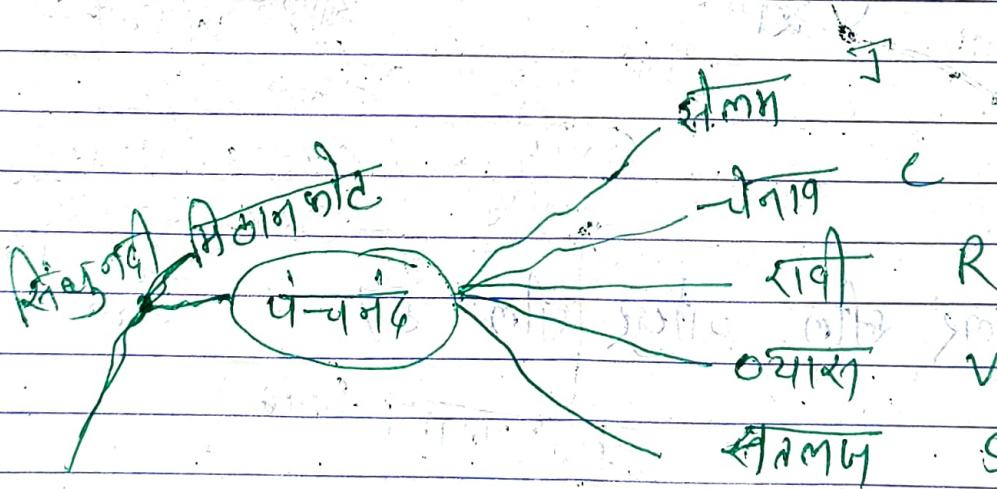
→ 25 लक्ष लीकरात्मकीय नदी होगी है

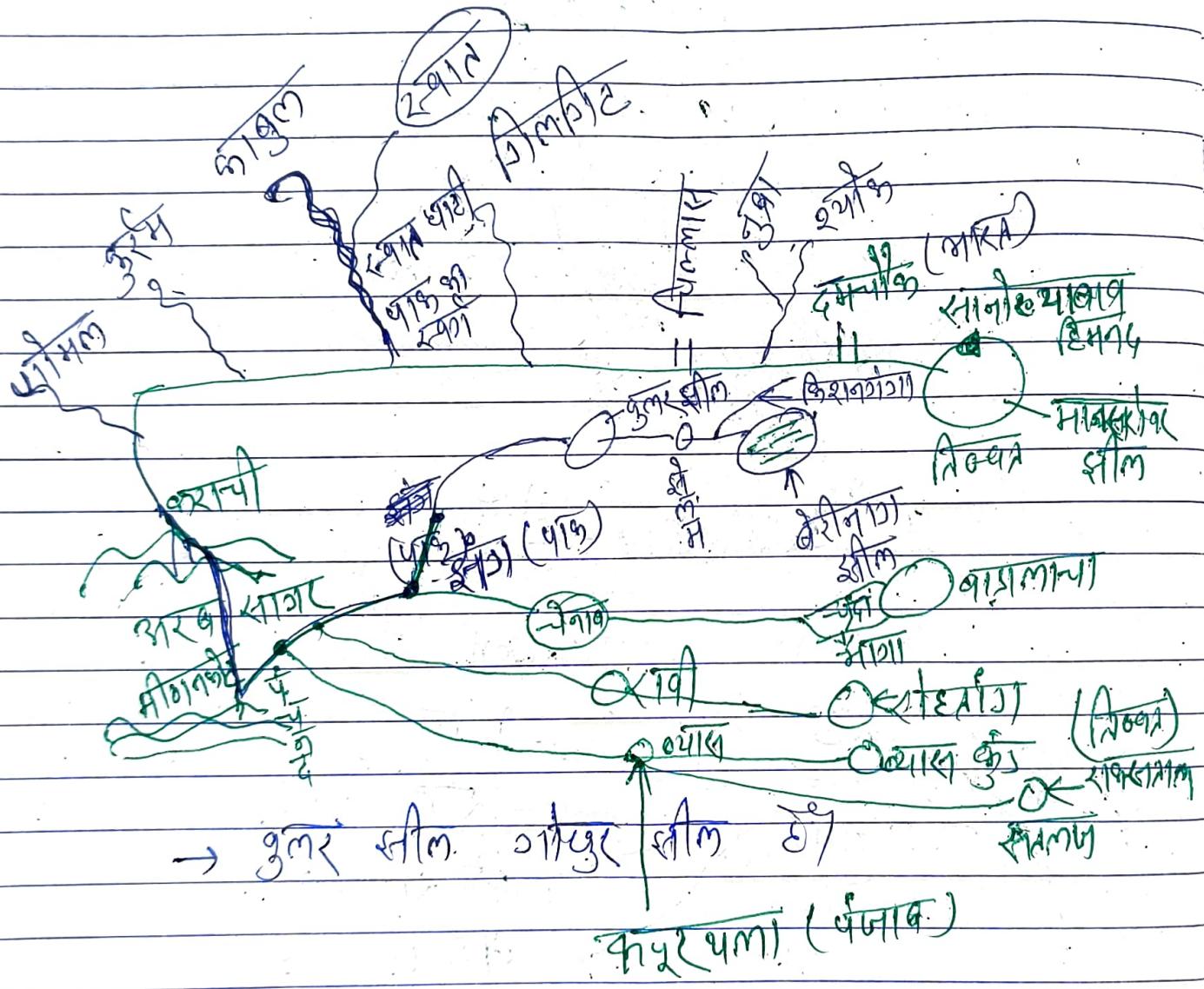
→ गिरिधर्म के पास लुम्बी गाँव (मालवा ज़िला)
खोला गाँव (गाँव) Riegel नदी गाँव (गाँव)

ગુજરાત સરકાર



ધાર્યા રંધાયણ નવિયાં





→ એવું હાજર નથી કે એવું હાજર નથી કે એવું હાજર નથી

जलम नदी (विवरण) Thelam River

- 1) अहं किंवु (की) सहायक नदी है जो त्रिलम नदी में
जाती है।
- 2) उद्गम (Origin) - लखड़ीर धारी के दक्षिण उपरी भाग
में बिहार के बाहरी पठार के बीच में परिप्रेक्ष के विशेष में
स्थित है। वरीनारा शर्वा (विशेष नदी)
- 3) मुहाना (Estuary) - शंग (पाइस्तान) में चैना नदी
- 4) सहायक नदी (Distributaries) - त्रिलम, गोदा, खेड़ी

त्रिलम (त्रिलम) नदी → त्रिलम गाँव परिवेषक

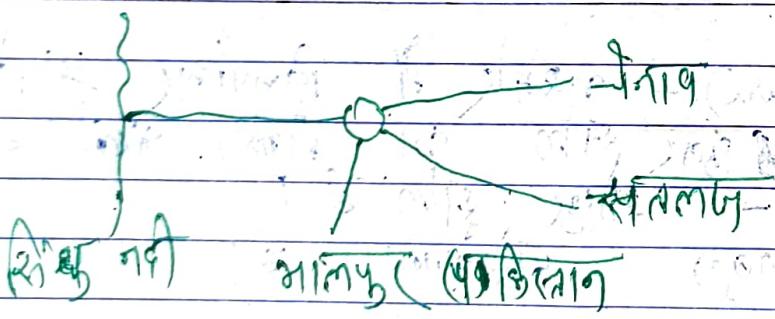
- 5) विशेष (Feature) :- लखड़ीर में विशेषता (प्रवाह)
होती है गुलब सिल की विशेषता होती है।
★ गुलबसिल - गुलब सिल है।
यह गुलब सिल परिवेषक है।

6) आका - यास की विशेषता विशेष

7) झार - झार गाँव

چناب ندی (اکٹھ) (Chenab River (Axx))

- 1) ریو ٹک (Riyotk) سے شروع کریں اور اپنے پانچ بندیوں میں سے ایک بندی پر ہمایوں کی طرف پر عبور کرو۔
- 2) ڈھونگ (Dhong) سے شروع کریں اور اپنے پانچ بندیوں میں سے ایک بندی پر عبور کرو۔
- 3) پنڈی جاؤ (Pandey Jau) سے شروع کریں اور اپنے پانچ بندیوں میں سے ایک بندی پر عبور کرو۔
- 4) مودانہ (Modanah) سے شروع کریں اور اپنے پانچ بندیوں میں سے ایک بندی پر عبور کرو۔



- 5) سادھارنی ندی (Sadiharne): - میلہن, رنپی, رنی
- 6) پروجیکٹ (Project): -

ہمایوں
مائلپور
پوتیلہان
رنل
پوتیلہان

रावी नदी (पुल्लिया / इरावती) Ravi/Ravai /
Tiravati

- 1) → रावी की सहायक नदी वा हिमालय की है
उद्गम स्थान (Origin) :- शैदांक दर्रे (पश्चिमी) में।
- 2) उद्गम (Origin) :- शैदांक दर्रे (पश्चिमी) में।
- 3) मुख्यना (Estuary) :- लोरायन नदी का पास
पंजाब नदी में मिलती है।
- 4) Feature (विशेष) :-
- घोलायर और फ्रिप्पिल के साथ वर्षा।
 - धारी (मध्य शहर)
 - पंजाब :- गंगा, लोरायन की जलों के साथ रुद्री
संगम परियोजना (चौथा लोरायन) के द्वारा है।

बोया (विपाशा) नदी / Beas /
R. Vipasha

- 1) → रावी की सहायक नदी वा हिमालय की है
उद्गम स्थान (Origin) :- शैदांक दर्रे के निकट ओरायर के
(पश्चिम हिमालय परिश) से निकलती है।
- 2) उद्गम :- शैदांक दर्रे के निकट ओरायर के
(पश्चिम हिमालय परिश) से निकलती है।
- 3) मुख्यना (Estuary) :- गंगा नदी (दूसरी पंजाब)
- 4) सहायक नदियाँ (tributaries) :- पंजाब, गंगा, दुर्ला
- 5) विशेष :- इसका उत्पन्न प्रमाण भारत में है।
- 6) बोया नदी दुर्ला का संगम होकर बहती है।
(पंजाब) में है।

एक (छाया प्रभाव)

एक सील

एक छाया

आद्यम (2 Feb)

रामसूर

छाया कागज

प्रत्ययी राजस्थान

सुख्तेर नदी (Sutlej River)

- 1) यह सिंधु की उपरी लंबी नदी है।
- 2) उद्गम (Origin) → मानसरोवर जलकटि
निकट राजस्थान प्रान्त (भूमध्यसेतु) के
- 3) तिरहुत में बहता है जो से लोगों के लिए जलसंकट। है।
- 4) मुहाना (Estuary) :- चंडीगढ़ + सिवाना + खंडपुर
- 5) सहायक नदी (tributaries) :- दोनों, अस्सी और
- 6) विशेष (Features):-

- रोपड़ (पंजाब) में बांधे गए निर्माण (बांध) हैं।
- झाँटी - नाला, नाधपा, शाही विद्युत बोर्ड,
- छोलड़ी - बाधियोगिता
- शिपकी - मारना वाला
- बांड - बाधियोगिता

पंजाब के मुख्य नदियाँ इसी नदी के बांधों द्वारा बनायी गई हैं।

सिंधु नदी तंत्र की प्रमुख परियोजनाएँ

प्रमुख तंत्रों का सूची

- 1) निम्न बमांगी परियोजना - सिंधु नदी
- 2) उल्लुक परियोजना → सिंधु
- 3) द्वीप तंत्र परियोजना
- 4) छिक्कान तंत्र - छिक्कान नदी
- 5) कुलहसील परियोजना - छिनाह
- 6) बड़ालिंगार
- 7) सलोल

हिमाचल प्रदेश

- 1) गढ़वाल परियोजना → गढ़वाल नदी
- 2) धोंग परियोजना → धोंग व्यास
- 3) दृढ़दृश बोध परियोजना → दृढ़दृश व्यास
- 4) भाष्टडा बोध → शतलभ
- 5) नाथपा सान्दक्ष परियोजना → शतलभ नदी

पंजाब

- 1) घीन, बोध - गढ़वाल नदी पर (घीन व्यास तथा प्रमुख तंत्रों की समान पर हिप्पत)
- 2) हरिके बोध - व्यास + शतलभ

NOTE

- 1) तिव्वत के पास ही न लेंगे, बिल्कुल एवं दृष्टियाँ नहिया होंगी हैं, जिन्होंने अपने आपको - अचार्य, शिष्य, विद्युत आदि बोल नहीं, मैंकर्ण और इसायी जैसे प्रमुख नामों का उद्देश्य भी निश्चय पाला ही है।
- 2) श्योक नदी की मृत्यु दरिया में याकूबी और लारानाम जैसी की नदी है जिसकी नदी (River of death) की सरसा अदान की जी है।
- 3) खास्तर नदी, खास्तर जली की सर्वथा नामक पाल, भाग की निकल है, जो विमालय की देशी तथा जम्मू-जशीर की जली एवं आवासीय है। यह नदी पहले उत्तर दिशा, और फिर पूर्व दिशा की ओर प्रवाहित होती है। इसकी नदी भी निकल जी नामक नदी जी निकल जाती है।